हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 1 अप्रैल 2024

तापमान
अधिकतम 33.8 डिग्री
न्यूनतम 17.0 डिग्री

11 कैंसर निदान में मील का पत्थर साबित होगी ...

12 मदवि में आज से शुरू होगा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन ...

Farm House
Kothi, Villa के लिये 300 गज के प्लाट
44 फुट चौड़ी सड़के, सीवर व पानी लाइन, बिजली
मात्र 20 लाख में NOC ZONE पक्की रजिस्ट्री
M. 8950904219
Gupta Property हिसार रोड NH 9 पर
अधिक जानकारी के लिए इस लिंक पर क्लिक करें : http://www.guptaproperty.in/

फॉलो करने पर पाये EXTRA 5% OFF
ON MAKING OF EVERY GOLD JEWELLERY
@PPJEWELLERSROHTAK
ppjewellersrohtak
P.P. Jewellers Rohtak
P.P. Jewellers Rohtak
केवल 5% बनवाई सोने के सभी आभूषण पर
सभी 22K HUID हॉलमार्क आभूषण उपलब्ध हैं।
P. P. Jewellers
रोहतक
का सबसे बेहतरीन आभूषण स्टोर
RAILWAY ROAD ROHTAK, CALL :- 70828-66177
केवल 0% बनवाई हीरे के सभी आभूषण पर
35% की छूट हीरे की कीमत पर
SPIN
सुनिश्चित उपहार जीतें। हीरे के आभूषणों की हर न्यूनतम खरीद पर।
T&C APPLY
SUNDAY OPEN

शहर में आज

- मंडियों में आढ़ती करेंगे प्रदर्शन
- हुडा कॉम्प्लेक्स में डॉ. अरविंद शर्मा का स्वागत समारोह शाम को 7 बजे से
- मदवि में फास्टरिंग ग्लोबल कोलाबोरेशन इन हायर एजुकेशन पर अंतराष्ट्रीय सम्मेलन
- पूर्व मंत्री कृष्ण मूर्ति हुड्डा अपने आवास पर पत्रकारों से बात करेंगे सुबह 11.30 बजे
- तिकोना पार्क में रक्तदान शिविर सुबह 11 बजे से
- नगर निगम की टीम अतिक्रमण हटाएगी

खबर संक्षेप

आज से पीजीआई की ओपीडी में सुबह 7 से 1.30 बजे तक बनेंगे कार्ड

रोहतक। गर्मियों की शुरुआत होते ही पीजीआईएमएस की चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी के समय में भी बदलाव कर दिया गया है। निदेशक डॉ. एसएस लोहचब ने बताया कि 1 अप्रैल से चौधरी रणबीर सिंह ओपीडी का समय सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक का हो गया है। ओपीडी कार्ड सुबह 7 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक बनेंगे। जन संपर्क विभाग के इंचार्ज डॉ. उमेश यादव ने बताया कि लैबोरेट्री में सैंपल सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक लिए जाएंगे और ओपीडी कार्ड बनाने की प्रक्रिया 7 बजे से शुरू हो जाएगी।

सैनी शिक्षण संस्था चुनाव: भारी उत्साह में सुबह 8 से शाम 4 बजे तक हुई वोटिंग

73 कॉलेजियम सदस्य चुने गए, 23 पहले ही चुने जा चुके थे, धर्म सिंह दहिया पैनल का दबदबा, प्रधानी 7 को मिलेगी

धर्म सिंह दहिया पैनल के 68 सदस्य चुने गए

- 100 कॉलेजियम सदस्यों का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ
- 10 हजार 981 सदस्यों में से करीब 60 % ने ही वोट किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सैनी शिक्षण संस्था के कॉलेजियम सदस्यों के चुनाव में धर्म सिंह दहिया पैनल के बाजी मार ली है। इनके 68 सदस्य चुने गए हैं। रविवार को 100 कॉलेजियम सदस्यों का चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। अब यही 100 सदस्य प्रधान, उपप्रधान, सचिव, सह सचिव, कैशियर और छह कार्यकारी सदस्यों को चुनेंगे। इनका चुनाव 7 अप्रैल को होगा। इससे पहले 27 सदस्य निर्विरोध चुने गए थे। गत 11 मार्च को नामांकन वापिस लेने की तिथि के दौरान इन 27 वार्डों में एक एक सदस्य ही रह गया था। बता दें कि 10 हजार 981 सदस्यों ने वोट करना था, लेकिन इनमें से करीब 60 प्रतिशत सदस्यों ने ही वोट किया।

हर वार्ड में 150 वोटर

बता दें कि इन 100 कॉलेजियम में हर एक के अंदर 150 वोटर थे। इन्हीं वोटरों ने हार जीत तय की। सुबह 8 बजे चुनाव प्रक्रिया शुरू हुई। जो शाम 4 बजे तक चली। एडमिस्ट्रेटर मुकुंद तंवर, आरओ खेम चंद सैनी, राधेश्याम शर्मा, एआरओ शिव कुमार सैनी, सुभाष दहिया, राम प्रकाश सैनी, सतबीर सिंह, जगदीश कुमार की निगरानी में चुनाव संपन्न हुआ।

रोहतक। सैनी शिक्षण संस्थान में चुनाव जीतने के बाद खुशी मनाते हुए प्रधान धर्म सिंह दहिया व अन्य सदस्य।

वीडियोग्राफी करवाई गई

वोटिंग के बाद बूथ वाइन काउंटिंग शुरू की गई। इसकी बकायदा वीडियोग्राफी करवाई गई ताकि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता रहे। जीत के बाद हर कैडिंडेट के चेहरे पर खुशी साफ देखी जा सकती थी।

जीत पर खुशी जताते

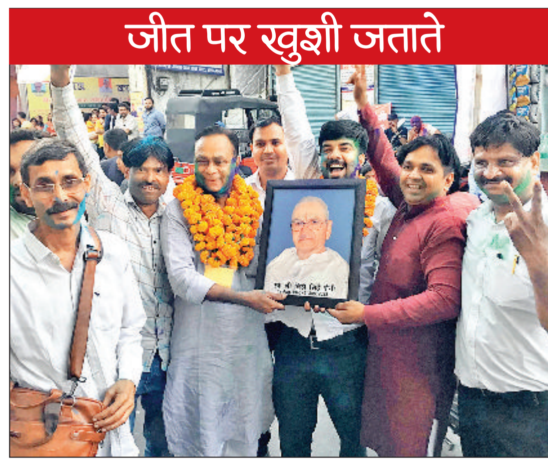

वोटिंग

वोटिंग के लिए लगी लाइन

ये रहे विजेता

वार्ड	विजेता	वोट						
1	शमशेर सिंह	49	34	रणबीर सिंह	38	68	राजेश	निर्विरोध
2	ईश्वर सिंह	54	35	रामेश्वर सैनी	30	69	राजेश	निर्विरोध
3	नरेंद्र सैनी	55	36	बिजेंद्र सैनी	73	70	देवेंद्र सिंह	निर्विरोध
4	अमित सैनी	61	37	गौतम सैनी	44	71	आजाद कुमार	53
5	राजकुमार	47	38	नरेंद्र कुमार	निर्विरोध	72	बलजीत सिंह	निर्विरोध
6	मयंक सैनी	45	39	देवेंद्र कुमार	निर्विरोध	73	देवेंद्र सैनी	निर्विरोध
7	अभय सिंह	56	40	महिपाल	61	74	करतार सिंह	79
8	प्रदीप	80	41	जयप्रकाश सैनी	72	75	विपिन	98
9	श्रवण सैनी	निर्विरोध	42	ओमप्रकाश	45	76	जगदीश	83
10	जितेंद्र	निर्विरोध	43	रविंद्र	57	77	नरेंद्र कुमार	52
11	प्रदीप सैनी	49	44	राजेश	निर्विरोध	78	बलवंत	97
12	सुरेश कुमार	65	45	अवनीश	92	79	जयंती	78
13	सूरज सैनी	निर्विरोध	46	राजकिशोर	80	80	अनिल	89
14	अभिषेक	50	47	दीपक	निर्विरोध	81	वर्षा सैनी	56
15	आजाद सिंह	निर्विरोध	48	यशवंत	निर्विरोध	82	सतीश	57
16	सार्थक सैनी	36	49	अजमेर सिंह	75	83	दीपक	55
17	राकेश सैनी	65	50	जगदीश कटारिया	निर्विरोध	84	देवेंद्र	79
18	रजनीश	44	51	सतपाल सैनी	41	85	सुनील	68
19	राजेंद्र सिंह	निर्विरोध	52	सुरेंद्र	निर्विरोध	86	महेंद्र	82
20	अश्वनी सैनी	निर्विरोध	53	ऋतुराज सैनी	निर्विरोध	87	रोहताश	74
21	जागेंद्र कुमार	41	54	मोतीराम	निर्विरोध	88	मनीष	59
22	अशोक कुमार	45	55	दया सिंह	निर्विरोध	89	बुधराम सैनी	81
23	कृष्ण कुमार	46	56	मिनाक्षी	निर्विरोध	90	राजबीर	82
24	सविता सैनी	59	57	विजय कुमार	निर्विरोध	91	परमिंद्र	77
25	जतिन सैनी	37	58	दयाचंद	68	92	विपिन	निर्विरोध
26	मनीष कुमार	17	59	सुरेश कुमार	55	93	महेंद्र सिंह	66
27	सतबीर सिंह	16	60	मनोज सैनी	72	94	जयभगवान	47
28	मनीष कुमार	65	61	सुमित	49	95	सुरेंद्र कुमार	67
29	रोहित सैनी	51	62	अमित	टोस से चुनाव	96	राजपाल	61
30	धर्म सिंह दहिया	76	63	प्रवीण	60	97	अनिल सैनी	93
31	श्याम कटारिया	62	64	सुदेश	76	98	प्रवीण	76
32	जगदीश सैनी	निर्विरोध	65	अमित	63	99	मुकश कुमार	58
33	अजय कुमार	निर्विरोध	66	कर्ण सिंह	निर्विरोध	100	प्रवीण कुमार	57
			67	नफे सिंह	101			

वार्ड 62 में टाई हुआ, पर्ची से जीत सुनिश्चित हुई

चुनाव के दौरान वार्ड नंबर 62 में प्रत्याशी अमित और प्रीतम को 35-35 वोट मिले। इन दोनों के बीच टाई हो गया। इसके बाद दोनों केनाम की पर्ची डाली गई और पहली पर्ची के आधार पर अमित को विजेता घोषित कर दिया गया।

चुनाव के दौरान वोटरों में उत्साह रहा

चुनावी प्रक्रिया के दौरान वोटरों में खासा उत्साह रहा। वोटर अपने कैंडिडेट को जीताने के वोटर करने आए। वोटर व्हीलचेयर, बैसाखी के सहारे भी वोट करने पहुंचे। शांतिपूर्वक चुनाव संपन्न करवाने में पुलिस प्रशासन का भी पूरा सहयोग रहा।

उगता सूरज और तीन कमान के बीच मुकाबल

सैनी संस्था के चुनाव में उगता सूरज और तीर कमान पैनल के बीच मुकाबला रहा। धर्म सिंह दहिया का निशान उगता सूरज पैनल और विजय सैनी का निशान तीर कमान था। इसके अलावा पांच कैंडिडेट और भी थे जिन्हें पतंग, जीप, रेल का इंजन आदि निशान दिए गए।

राहत | शिक्षक कर्मचारी संघ ने इनके निलंबन पर आह तक नहीं की थी

साढ़े चार महीने बाद एमडीयू कम्प्यूटर सेंटर निदेशक डॉ. जीपी सरोहा का निलंबन रद

अमरजीत एस गिल ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर सेंटर के निदेशक डॉ. जीपी सरोहा का निलंबन यूनिवर्सिटी प्रशासन ने वापस ले लिया है। इन्हें गत 15 नवंबर 2023 को निलंबित किया गया था। आरोप थे कि इन्होंने छात्रों के पहचान पत्र नहीं बनाए। जबकि डायरेक्टर का तर्क था कि विभागाध्यक्ष ने अपने छात्रों की वेरीफिकेशन करके कम्प्यूटर सेंटर को नहीं भेजी। जिससे सभी विद्यार्थियों के पहचान पत्र नहीं बने। जिन छात्रों की वेरीफिकेशन लिस्ट सैंटर को भेजी, उनके पहचान जारी कर दिए गए। डॉ. सरोहा साढ़े चार महीने तक निलंबित रहे। लेकिन गैर

शिक्षक कर्मचारी संघ ने इनके निलंबन पर आह तक नहीं की। जबकि संघ के पदाधिकारियों को अपने कर्मचारियों की हित्तों की लड़ाई लड़ना होता है। सूत्र बताते हैं कि जब डॉ. सरोहा को निलंबित किया गया था उस समय संघ के पदाधिकारी तो ये तक कह रहे थे कि इनकी बड़ी लापरवाही पर बर्खास्त करवाया जाएगा। निलंबन के समय एक पदाधिकारी तो यहां तक कहा था कि डॉ. सरोहा गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के सदस्य नहीं नहीं। उस पदाधिकारी ने कहा था कि डायरेक्टर यूसीसी शिक्षक संघ के सदस्य हैं। इसलिए शिक्षक संघ ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर सरोहा को बहाल करने के लिए दबाव बनाना चाहिए। बताया जा रहा है कि निलंबित निदेशक डॉ. सरोहा ने कई बार संघ के पदाधिकारियों को कहा कि उनको सस्पेंड करना गलत है। क्योंकि वह तो तभी पहचान पत्र बनवा सकते थे, जब उन्हें विभागाध्यक्ष छात्रों की लिस्ट देते। लेकिन संघ पदाधिकारियों ने इस पर गौर नहीं किया।

डॉ. जीपी सरोहा गत दो-तीन साल से प्रशासन के निशाने पर थे

इस मामले में दिलचस्प पहलू ये भी है कि यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एक भी विभागाध्यक्ष के खिलाफ छात्रों की सूची यूसीसी को न भेजने पर कार्रवाई की। प्रशासन ने सरोहा को सबसे कमजोर कड़ी मानकर उनको निलंबन के आदेश थमा दिए। सरोहा तो बीच की कड़ी थे। विभागाध्यक्षों के बाद अगर प्रशासन ने किसी पर कार्रवाई करनी थी तो सबसे पहले तो कम्प्यूटर सेंटर के प्रो. इंचार्ज पर करनी चाहिए थी। लेकिन ऐसा नहीं किया। प्रोफेसर इंचार्ज ही कम्प्यूटर सेंटर की शीर्षथ अधिकारी होता है। सेंटर के तमाम कार्य समय पर हों, इसलिए ही किसी भी ब्रांच/ ऑफिस का इंचार्ज लगाया जाता है। सूत्र बताते हैं कि डॉ. जीपी सरोहा गत दो-तीन साल से प्रशासन के निशाने पर थे। बीते पांच चार साल में शायद ही यूनिवर्सिटी प्रशासन ने किसी कर्मचारी/ अधिकारी को निलंबित किया हो। पिछले दिनों प्रशासन ने डॉ. सरोहा ने अपने सस्पेंस को लेकर यूनिवर्सिटी को लिखित में जवाब दिया था। सूत्र बताते हैं कि सरोहा के निलंबन से कम्प्यूटर सेंटर का कामकाम काफी प्रभावित हो रहा था। बावजूद इसके इनके निलंबन को रद करने में यूनिवर्सिटी प्रशासन ने साढ़े चार महीने लगा दिए।

यूनिवर्सिटी में रविवार को हुआ कामकाज

रविवार को राजपत्रित अवकाश होने के बाद भी विश्वविद्यालय में अन्य दिनों की तरह ही प्रशासनिक कामकाज हुआ। बताया जा रहा है कि होली पर विश्वविद्यालय में ज्यादा हुड़दंग न हो, इसलिए एक दिन की छुट्टी कर दी गई थी। उसके बदले में आज रविवार को कर्मचारी ड्यूटी पर रहे। ध्यान रहे कि प्रदेश के सभी सरकारी विश्वविद्यालयों में हरियाणा सरकार द्वारा घोषित छुट्टी के मुताबिक ही प्रशासनिक कार्य करने होते हैं। लेकिन इसमें यूनिवर्सिटी को इतनी छूट है कि किसी विशेष आयोजन पर छुट्टी करके उसकी एवज में किसी दूसरे दिन कर्मचारियों से ड्यूटी ली जा सकती है।

जूनियर राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में समरगोपाल पुर के प्रिंस ने जीता गोल्ड

रोहतक। गत 28 से 30 मार्च तक नोएडा (यूपी) में हुई अंडर -20 (जूनियर) राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में ग्रीको रोमन स्टाइल के 82 किलो भार वर्ग में गांव समरगोपाल पुर के प्रिंस ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस वर्ष इनका ये नेशनल चैंपियनशिप में पहला पदक है। इससे पहले भी राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप में 2 स्वर्ण,1 रजत और 1 कांस्य पदक जीत चुका है। पहलवान प्रिंस सोनीपत के सफियाबाद गांव स्थित स्वामी भूमानद कुश्ती अकादमी में सचिन कोच, अंकुश कोच, सुरेंद्र कादयान कोच,अमित कोच और अंतरराष्ट्रीय पहलवान नितिन शर्मा की देखरेख में प्रेक्टिस करता है।

दूध, दही, लस्सी मिट्टी के बर्तन में रखते थे

दूध खराब न हो इसके लिए उसे मिट्टी की कढ़ोणी में रखा जाता था। कढोणी के नीचे ईंधन डाल दिया जाता था। दिनभर यह दूध उबलता रहता था। जिसके बाद वह खराब नहीं होता था। चाय आदि के दूध को ज्यादा गर्मी होने पर ठंडे पानी में रखते थे। मिट्टी की बिलौनी में दूध को शाम के समय जमाया जाता था। सुबह जो दही जमी होती थी, उसको बिलोकर मक्खन व लस्सी बना लिया जाता था।

तूड़ी, अनाज और खाद्य वस्तुओं के भंडारण की सस्ती तकनीक का इस्तेमाल करते थे ग्रामीण

चार दशक पहले तक बहुत से गांवों में इक्का दुक्का घरों में ही बिजली का कनेक्शन होता था। जिन घरों में बिजली का मीटर था। उनमें भी पर्याप्त बिजली उपकरण नहीं होते थे। लोग केवल रात को बल्ब जलाने के लिए बिजली का प्रयोग करते थे। आज हालात यह हैं कि बिजली की वजह से गांव देहात के दृश्य ही बदल गए हैं। गर्मी के मौसम में लोग गलियों में या घरों की छतों पर सोते थे। अब रात को गर्मी के मौसम में जहां गलियां सुनसान दिखाई देती हैं। पहले ऐसा नहीं था। पूरे गांव की गलियां रात को भी गुलजार रहती थी।

परंपरा | राज कुमार नरवाल

आज से चार दशक पहले तक बहुत से गांवों में इक्का दुक्का घरों में ही बिजली का कनेक्शन होता था। जिन घरों में बिजली का मीटर था। उनमें भी पर्याप्त बिजली उपकरण नहीं होते थे। लोग केवल रात को बल्ब जलाने के लिए बिजली का प्रयोग करते थे। धीरे धीरे इलेक्ट्रिक उपकरण बढ़ते चले गए और हालात यह हैं कि बिजली की वजह से गांव देहात के दृश्य ही बदल गए हैं। गर्मी के मौसम में लोग गलियों में या घरों की छतों पर सोते थे। अब रात को गर्मी के मौसम में जहां गलियां सुनसान दिखाई देती हैं। पहले ऐसा नहीं था। पूरे गांव की गलियां रात को भी गुलजार रहती थी। आस पड़ोस व मोहल्ले के लोग देर रात तक एक दूसरे से बातचीत करते रहते थे। इन्वर्टर आने के बाद तो लोगों ने घरों के अंदर ही रहना शुरू कर दिया। अब तो गर्मी हो या सर्दी दिन के समय भी गांवों की गलियां सुनसान रहती हैं। पहले गांव के लोग दोपहर के समय भी घरों से बाहर ही रहते थे। गांव की बणियों में पेड़ों की छांव के नीचे पशुओं को बांधते थे और वहीं पर गांव के लोगों की दोपहरी कटती थी। बिजली के उपकरण जैसे जैसे बढ़ते चले गए वैसे वैसे ही गांव देहात के लोगों का रहन सहन और जीवन यापन का तौर तरीका ही बदलता चला गया।

बर्फ को बोरी में डालकर तूड़ी में दबा देते थे

कोल्ड स्टोरेज व फ्रीज के आने से पहले खाने पीने की वस्तुओं के भंडारण का भी सिस्टम बदल गया। पहले ब्याह शादी में शहर से बर्फ की सिल्ली खरीदकर लाते थे तो उसको बोरी में डालकर तुड़ी में दबा दिया जाता था। जिससे बर्फ पिघलती नहीं थी।

तूड़ी को सुरक्षित रखने के लिए भूसे से खेत में ही बना लेते थे कूप

अब तूड़ी को ज्यादातर लोग कमरों में भरकर रखते हैं। लेकिन पहले खेतों में तूड़ी रखने के लिए गेहूं की डालियों व भूसे आदि से लोग कूप बनाते थे। कूप बनाने में केवल श्रम लगता था। किसी भी प्रकार का खर्च इसको बनाने में नहीं लगता था। कूप में रखी गई तूड़ी गर्मी, सर्दी, बारिश व आंधी में सुरक्षित रहती थी। अब तूड़ी रखने के लिए बनाए जाने वाले कमरों पर लाखों रुपए खर्च होते हैं। पहले किसान गेहूं की तूड़ी के अलावा चने की भुरली, चने का खार, चने का न्यार और ग्वार का गूणा भी संभालकर रखते थे। कुछ इलाकों में तो आज भी इक्का दुक्का तूड़ी के कूप देखने को मिल जाते हैं।

कागज को गलाकर बनाए ठाठियों में रखी जाती थी मिठाइयां

ब्याह शादी से कई दिन पहले घर की महिलाएं कागजों व गत्तों को इकट्ठा करके मिट्टी के घड़ों में डाल देती थी। उसके बाद इनमें पानी भर लिया जाता था। कागज गल जाने के बाद उनको मुलतानी मिट्टी मिलाकर मूसल के साथ उंखल में कूटा जाता था। जो कागज गलने के बाद गारा सी बनती थी, उससे महिलाएं बोहिए अथवा ठाठिए बनाती थी। उसके बाद मुल्तानी मिट्टी से उसकी लिपाई की जाती थी। महिलाएं इन बोहियों पर चित्रकारी करती थी। इन बर्तनों में मिठाइयां रखी जाती थी। इनमें रखी मिठाइयां खराब नहीं होती थी।

तूड़ी में रखा जाता था प्याज

जब प्याज सस्ता होता था। तब उसको काफी मात्रा में खरीद लिया जाता था। उसके बाद उसको तूड़ी में रख दिया जाता था। तूड़ी में रखा गया प्याज महीनों तक खराब नहीं होता था। सालभर बाद भी प्याज ज्यों का त्यों रहता था।

बालू रेत में रखे चने और मूंग नहीं होते थे खराब

चना व मूंग जैसी दलहन फसलों को खराब होने से बचाने के लिए लोग उनको बालू रेत में रखते थे। कई कई मण अनाज घरों में बालू रेत में पड़ा रहता था। यह अनाज लंबे समय तक बालू रेत में खराब नहीं होता था।

महिलाएं बनाती थी गारा मिट्टी के कुठले

आज से तीस साल पहले तक महिलाएं गारा मिट्टी से छोटे बड़े कुठले बनाती थी। बड़े कुठलों में तो दो तीन मण तक गुड़ आ जाता था। कुठलों में रखा गया गुड़ चौमासे में भी खराब नहीं होता था। सभी तरह के मौसम बीत जाने के बाद भी सालभर गुड़ ज्यों का त्यों रहता था। इन कुठलों को ढंकने के लिए ढक्कन भी गारा से ही बनाया जाता था।

घी को रखा जाता था मिट्टी के बर्तन (बारा) में

पहले ग्रामीण आंचल में बसने वाले अधिकतर लोग पशु पालते थे। कई घरों में तो कई कई दुधारू पशु होते थे। जिस वजह से बहुत घी स्टॉक करना पड़ता था। घी मिट्टी के पक्के बर्तनों में रखा जाता था। घी के बर्तन को बारा कहा जाता था। पहले घरों में घी के बारे भरे रहते थे।

शहतूत की टहनियों से बने बोहिए में रखी जाती थी रोटियां

शहतूत की टहनियों को काटकर उनसे बोहिए, छाबड़े, छाबड़ी व पालने बनाए जाते थे। इन वस्तुओं में छिद्र होते थे, जिससे उनमें हवा भी पहुंचती थी। शहतूत से बनाए बोहिए में रेजे से बने छालने में लपेटकर रोटियां रख दी जाती थी। जो शाम तक भी खराब नहीं होती थी। कुछ लोग तो इन बोहियों में रखी रोटियों को दूसरे दिन भी खा लेते थे। जानवरों व पशुओं से बचाने के लिए इन बोहियों को मकान की छत पर रस्सी का छिक्का बनाकर उसमें रख दिया जाता था। बोहिया हवा में लटकता रहता था। सुबह एक बार महिलाएं रोटियां बनाकर बोहियों में रख देती थी, जिसको जब भी भूख लगती, तभी खा लेते थे। वे रोटियां स्वादिष्ट भी लगती थी। अब रोटियों को प्लास्टिक की परत लगे डिब्बो में रखा जाता है।

बुखारियों में रखा जाता था अनाज

घर में चना, गेहूं, ग्वार, ज्वार आदि अनाज बुखारियों में रखा जाता था। घर में एक जगह पर ईंटों की छोटी दीवार बनाकर एक जगह बना ली जाती थी। जिसमें अनाज भर लिया जाता था। उसकी दीवारों की गाय के गोबर व मिट्टी से लिपाई पुताई कर दी जाती थी।

मर्तबान में रखते थे अचार

अचार जहां अब प्लास्टिक के डिब्बों में रखा जाता है। वहीं पहले घरों में महिलाएं अचार को चीनी मिट्टी व कांच से बने अमृतबाण में रखती थी। अमर्तबाण में रखा गया अचार लंबे समय तक खराब नहीं होता और वह स्वादिष्ट रहता है। महिलाएं खुद अचार डाल लेती थी और उसको अमृत बाण में रख लेती थी। खेतों से शहद इकट्ठा करके भी लोग उसके कांच के बर्तन में रखते थे। कांच के बर्तन में शहद खराब नहीं होता।

रागनी | विश्वबंधु शर्मा

क्यां की चिंता करता

पैदा सो ना पेद जगत मैं , जो ज्याम्यां सै वो मरता है ।
केवल कर्म हाथ मैं तेरै , तूँ क्यां की चिंता करता है ।। टेक ।।
सातदिनां मैं मरणा निश्चित , फेर क्यूँ मृत्यु तैं डरता है ।
रवि सोम मंगल बुध गुरु शुक्र , वोह नाम शनि का धरता है ।
दोष अपणे पै लेता न वो , वो त्यार बहाना करता है ।
बहाने बिन न मोत किसे की , इत कर्मा का फल भरता है ।
अगले पिछले कट्ठे होज्यां , तूँ नाम मोतका धरता है ।
सब के हित मैं काम करै तूँ , तूँ अपणा हित ना करता है ।
काम क्रोध लोभ मोह मद मैं , नासमझ डूब केंमरता है ।
अकल आपणी बाध लागती , यकीन किसी पै न करता है ।
श्रद्धा विश्वास नहीं मन मैं, ना माधव मन तैं भजता है ।
माया ममता मैं घिर बैठा , कट खाणी से ना डरता है।
तूँ दीन बन्धु हरि ना भजता , मकड़ी ज्यूँ जाळे घिरता है ।
तूँ चरण शीश कदे न धरता , तूँ अकड़ा अकड़ा फिरता है ।
दोष नसादे पाप मिटा दे , वो सबका पेटा भरता है ।
थावस राख थोड़ी सी मन मैं , तूँ बेसबरी क्यूँ करता है ।
वो न्यायधीश न्यारा जग मैं ,बिन पासंग नरजा धरता है।
ग्रीवा काट गज नै बचावै , उद्धार अहल्या करता है ।
सुग्रीव बिचारा लाचारी , वो बाली का वध करताहै ।
बाणासुर की कन्या ठाले , शिव ध्वजा जमी पै धरता है ।
बनवारी ताकत का दाता , बन्धु शक्ति सब मैं भरता है ।
सब कुछ त्यार करै नर तेरा ,क्यूँ फिकर गात मैं करता है ।

गजल | किरण यादव

कौन आया दरमियाँ
जो हैं इतनी चुप्पियाँ

क्यूँ हमारे बीच में
आईं इतनी दूरियाँ

कैसे बतलाएँ तुम्हें
कितनी हैं मजबूरियाँ

कैसे भर पाएँगे हम
बीच की ये खाइयाँ

ज़हन में चुभने लगीं
जाने कितनी किर्चियाँ

गीत | शकुन्तला काजल 'शकुन'

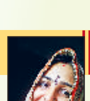

खूँटे नै भैंस पड़ाएं

पतली पिंडी पेट कूप-सा, ज्यों पेठा टॉग लगाएं जा...
ओ जुल्मी तेरा रूप देख, खूँटे नै भैंस पड़ाएं जा।

कर ले याद पुराणे दिना नै, जब कॉलेज मैं जाया करता।
उचक- उचक सब देखा करते, बिन गिनती दंड लगाया करता,
इब प्यारे तूं जावै फैलता,
गिरड़ी-सी गिरड़ाए जा..
ओ जुल्मी तेरा रूप देख, खूँटे नै भैंस पड़ाएं जा।।

जब-जब बात करूँ फिटनेस की, ऐकै बात सुनावै तू,
ब्याह होना था हो लिया , मत सिर पै चढ़ती आवै तू।
देख गली के मारैं सीट्टी, सर्कस का जोकर बताएं जा...
ओ जुल्मी तेरा देख, खूँटे नै भैंस पड़ाएं जा।।

करूँ रंग की बात नहीं, म्हारा ईश्वर भी तो सै काला।
तेरे रूप पै बेहमाता नै, कर राख्या सै कति चाला ।।
मल- मल लावै तेल जले तूं, नहाणा रोज डिगाएं जा...
ओ जुल्मी तेरा रूप देख, खूँटे नै भैंस पड़ाएं जा।।

पतली पिंडी पेट कूप-सा, ज्यों पेठा टॉग लगाएं जा..
ओ जुल्मी तेरा रूप देख, खूँटे नै भैंस पड़ाएं जा।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

श्रद्धा | बाबा रामरूप में कस्बे सहित देश विदेश के लोगों की आस्था

दादू नगरी के नाम से पहचाना जाता है बवानी खेड़ा

मेला
बसंत पंचमी के दिन भव्य मेले का आयोजन किया जाता है

खेल
मेले के दौरान लाखों रुपये पुरस्कार वाली खेल प्रतियोगिता भी करवाई जाती है

किसान | दीपक कुमार डुमड़ा

भिवानी जिले के बवानी खेड़ा में बाबा रामरूप के डेरे में लोगों के गहरी आस्था व श्रद्धा है। श्रद्धा के प्रतीक बाबा रामरूप के जन्मोत्सव के अवसर बसंत पंचमी के दिन भव्य मेले का आयोजन किया जाता है। बाबा रामरूप की कस्बे के ही नहीं अपितु देश के अलग अलग हिस्सों के लोगों में भी काफी मान्यता है। बसंत पंचमी वाले दिन बाबा कि पूजा अर्चना करने के लिए मुम्बई, चेन्नई, कोलकता, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब, उतरप्रदेश सहित देश के अनेक राज्यों से लोग पहुंचते हैं। कस्बे के लोगों के अनुसार जो कोई भी श्रद्धालु बाबा की सच्चे मन से पूजा अर्चना करता है बाबा उसकी हर तमन्ना तो पूरी करते ही हैं साथ साथ उनके परिवार का संकट भी हर लेते हैं। डेरा महंत बाबा गुमानदास की माने तो मेले के दौरान बाबा रामरूप का डेरा भव्य तरीके से सजाया जाता है और भंडारे का आयोजन भी किया जाता है। इसके इलावा लाखों रुपये पुरस्कार वाली खेल प्रतियोगिता का भी आयोजन होता है।

कौन थे महंत गुमानदास

बाबा रामरूप डेरे के महंत गुमानदास ने बताया कि बाबा की मान्यता व जीवन के बारे में बताया कि सिद्ध श्री योगीराज बाबा रामरूप महाराज दादूपंथी का जन्म महेन्द्रगढ़ जिले के सीहा गा्रम में बसंत पंचमी के दिन विक्रमी सम्वत 1866 को गौड ब्राह्मण परिवार में हुआ था। ये दो भाई थे । इनका पूर्व नाम रामसुख था और छोटे भाई का नाम श्यामसुख था। एक बहन थी जिसका नाम फूलवती था। रामसुख छोटी अवस्था में ही विरक्त हो गए थे।

कैसे जागी भावना

समाजसेवी सुभाष शर्मा, की मानें तो वे सुनते आए हैं कि 20 वर्ष की आयु होने पर रामसुख के हृदय में भावना उठी कि किसी उच्च कोटि के संत से दीक्षा लेकर जन्म को सफल बनाया जाए। वे बाबा मुंगीपा के दर्शन के लिए आ गए । तीन दिन भूखा प्यासा रहने पर भी जब मुंगीपा ने दर्शन नहीं दिए तो रामसुख ने अपनी जीवन लीला समाप्त करने की सोची। तब बाबा मुंगीपा को दर्शन देने पड़े।

कैसे बने महात्मा

रामरूप गुरु जी आशीर्वाद से भगवद् भजन में इतने लीन हो गए कि परम सिद्ध महात्मा बन गए और अपनी योग माया से चमत्कारिक कार्य करने लगे। जैसे अंग्रेजों द्वारा तोप लाए जाने पर बवानी खेड़ा की रक्षा करना, नटनी की रक्षा करना, योग माया से चोरी जानना, गुरु की भिक्षा मांगना छुड़वाना, जमीन के नीचे मीठा पानी व ईंटों को बताना, गेहूं लाने वाले की चालाकी जानना, हजारी सेठ की पुत्री का मान सम्मान से विवाह करवाना, धन राशि दिखाना, गोपीचन्द व भ्रतृहरि का दर्शन देना, दो स्थानों में एक समय दर्शन देना, बवानी खेड़ा व सिंहा ग्राम में मंदिर बनवाना आदि अलौकिक कार्य बाबा रामरूप महाराज ने किए। अंत में जयपुर के बिहारी बाग में विक्रमी सम्वत 1934 को बाबा ब्रह्मलीन हो गए।

युवाओं को अभिनय सिखाकर पहचान दिला रहे हरिकेश पंघाल

◆ बेजोड़ लेखक व कलाकार के रूप में कमाया नाम ◆ तीन दशक से संस्कृति का करते आ रहे संवर्धन ◆ सकारात्मक विचारधारा से जोड़ युवाओं में भर रहे संस्कार

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणा की लोककला एवं संस्कृति के क्षेत्र एक से बढ़कर एक कलाकार दिए हैं। ऐसे ही कलाकारों में डा. हरिकेश पंघाल हैं, जिन्होंने नाटक, कविता और लघु फिल्मों की पटकथा लिखने के साथ ही अभिनय के क्षेत्र में भी एक अभिनेता और रंगकर्मी में अपनी कला का प्रदर्शन किया है। वहीं उन्होंने कला के क्षेत्र में अनेक प्रतिभाशाली कलाकारों को प्रशिक्षण देकर उन्हें मंच पर अभिनेता जैसे कलाकारों की पहचान दिलाई है। थिएटर डांस और साहित्यिक क्षेत्र में पिछले तीन दशक से संस्कृति का संवर्धन करते आ रहे पंघाल अभी तक 50 से अधिक नाटकों का निर्देशन कर चुके हैं। प्रसिद्ध रंगकर्मी, अभिनेता, कवि एवं लेखक डा. हरिकेश पंघाल ने अपने साहित्यिक एवं कला के सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनुछुए पहलुओं को साझा किया है, जिससे कहा जा सकता है कि वह अपनी कला के माध्यम से समाज को सकारात्मक विचारधारा से जोड़कर संस्कृति और युवाओं को संस्कार की राह दिखाने में जुटे हैं।

हरियाणा के भिवानी जिले के गांव खरखड़ी माखवान में चौधरी जगबीर सिंह व श्रीमती वीना रानी के घर में 03 जुलाई 1974 को जन्में कलाकार हरिकेश पंघाल के परिवार की पृष्ठभूमि राजनीतिक रही है। उनके पिता चौधरी जंगबीर सिंह भिवानी संसदीय क्षेत्र से 1991 से 1996 तक सांसद रहे। उन्होंने हरियाणा निर्माण के बाद हुए पहले चुनाव में तोशाम विधानसभा से चौ. बंसीलाल के खिलाफ चार बार चुनाव में अपनी किस्मत आजमाई। उनके बड़े भाई कमल सिंह प्रधान भी राजनीति में सक्रिय रहे। इसके बावजूद हरिकेश पंघाल का रुझान बचपन से ही कला क्षेत्र में रहा। उन्होंने प्राथमिक शिक्षा के दौरान भिवानी पब्लिक स्कूल में विद्यालय के कार्यक्रमों में लघु नाटिका कविताएं और भाषण में हिस्सा लिया। इसके वे वैश्य महाविद्यालय भिवानी से स्नातक करने के दौरान रंगमंच की कला से जुड़ गए, जिसका नतीजा ये रहा कि वे युवा समारोहों में 6 बार सर्वोत्तम अभिनेता चुने गए। उनकी इस कला का आरंभ में परिजनों का विरोध भी झेलना पड़ा, लेकिन उनकी अभिरुचि परिवारिक माहौल से अलग पहचान बनाती गई, तो परिवार ने भी प्रोत्साहन दिया।

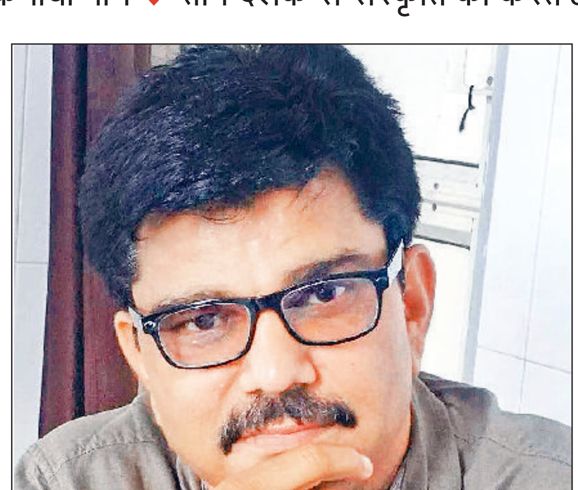

पत्नी बनी प्रेरणा

बकौल डा. हरिकेश पंघाल उनकी पत्नी भी उनकी कला के प्रसार में प्रेरणा साबित हुई। उन्होंने मनोविज्ञान और हिन्दी एवं जनसंचार में एमए, एलएलबी के अलावा पीएच.डी की उच्च शिक्षा हासिल की है। वर्तमान में वैश्य महाविद्यालय में मनोविज्ञान प्राध्यापक के रुप में कार्यरत डा. हरिकेश पंघाल ने बताया कि 1997 में हरियाणवी कविता को भी युवा समारोह में शामिल किया गया तो उन्होंने भी स्वरचित कविता सुनाई, जिसे प्रथम स्थान मिला। इससे उनका आत्मविश्वास ऐसा बढ़ा कि कई सालों तक उनकी वह कविता युवा समारोह में अव्वल रही। इसके बाद उन्होंने कविताएं लिखना शुरु कर दिया, जिसमें कई ऐसी कविताएं रही जो बड़े बड़े मंच पर प्रसिद्ध हुई। कला जगत में शुरुआती दौर में दर्शकों को उनकी रचनाएं बहुत पसंद आई, लेकिन उन्होंने ऐसी रचनाओं को अश्लीता की परिधि में महसूस किया तो उसके बाद उन्होंने संकल्प लिया किया कि वे ऐसी रचना और नाटकों की प्रस्तुति करेंगे, जिन्हें परिवार के लोग एक साथ देख या सुन सकें। कई बार ओटीटी एप के कार्यक्रमों और हरियाणवी एल्बम और फिल्मों के लिए भी गाने लिखने का ऑफर मिला, लेकिन हरबार उन्होंने वह सबकुछ लिखने से इंकार कर दिया, जो उसके संकल्प के बाहर था। इसलिए उन्होंने सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों और समाज में फैली कुरीतियों को उजागर किया है। डा. हरिकेश दो भक्ति शब्दों पुस्तकें भी लिखी। उन्होंने 15 हरियाणवी नाटक, हरियाणवी और हिंदी में 100 से अधिक कविताओं के लेखन किया।

सम्मान व पुरस्कार

सुप्रसिद्ध कलाकार, कवि व लेखक डा. हरिकेश पंघाल को साहित्य, कला और अभिनय के क्षेत्र में दिए गए योगदान के लिए हिमाचल के राज्यपाल, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, त्रिवेणी, नटराज कला मंच सहित कई संस्थाओं व मंचों द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। इसके अलावा हिंदी और संस्कृत एकांकी नाटकों में 80 शिष्यों को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिल चुका है। उनके कई छात्र बॉलीवुड और ओटीटी प्लेटफॉर्म की विभिन्न फिल्मों में काम कर रहे हैं, जो उनके लिए किसी सम्मान से कम नहीं है।

गुरु मंत्र से अनेक युवा बने कलाकार

हरिकेश पंघाल का ध्येय कभी फिल्म जगत के परदे पर आना नहीं रहा। इसका मकसद यही था कि वह अपनी कला में कविताओं और साहित्य लेखन के माध्यम से हमेशा पथभ्रष्ट होते समाज खासकर युवा पीढ़ी को सही राह की और आकर्षित किया जाए। यही नहीं उन्होंने कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवाओं को जोड़कर गुरु-शिष्य परंपरा को भी गति देने पर बल दिया। इसका सकारात्मक परिणाम ये है कि आज उनसे जुड़े अनेक युवा एक कलाकार के रूप मंचों पर बेहतरीन कला का प्रदर्शन करके सामाजिक उत्थान में अपना योगदान देकर अपने परिवार, राज्य व देश का नाम रोशन कर रहे हैं। इनमें कमल आनंद, नवीन कुमार, अनूप कुमार, शीतल, राज सिंह, जनार्धन, सोनल शर्मा, दिशिका, राजेश राठौर, साहिल अपूर्व और अमिता आदि ऐसे शिष्य कलाकार हैं, जिन्होंने कई दर्जन सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के खिताब हासिल कर लिये हैं। जबकि डा. हरिकेश से अभिनय के गुर सीखकर एकता जागड़ा, उमा शैखावत, भावना, निशा, सुनीता, प्रदीप कुमार, प्रशांत, पवन कुमार, अमित कुमार आदि ने कला के क्षेत्र में नाम कमा रहे हैं।

खबर संक्षेप

भूमिका और प्रीति मलिक को किया सम्मानित

रोहतक। स्वामी नितानंद पब्लिक स्कूल का वार्षिक परिणाम रविवार को अभिभावक अध्यापक मीटिंग के साथ घोषित किया गया। गांव खरावड़ की कक्षा 6 की छात्रा भूमिका मलिक 97 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान पर रही, वहीं 2 की छात्रा प्रीति मलिक ने भी प्रथम स्थान हासिल किया। यूकेजी में एकांश मलिक प्रथम रहे। विद्यालय के डायरेक्टर सुमित मलिक ने भूमिका मलिक को दी और भविष्य में और अच्छी मेहनत करने के लिए प्रोत्साहित किया। परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

गोसेवा सबसे पुण्य का कार्य : एडीजीपी

रोहतक। बेसहारा गोवंश सेवा समिति की नौवीं वर्षगांठ रविवार को मनाई गई। राजीव गांधी स्टेडियम के सामने स्थित पुल के नीचे स्थित गोशाला में हवन यज्ञ और भंडारा आयोजित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि समिति के संरक्षक एवं हरियाणा के एडीजीपी श्रीकांत जाधव रहे। उन्होंने हवन यज्ञ में आहूति डाली। उन्होंने गोसेवा को सबसे पुण्य कार्य बताया। उन्होंने कहा कि गोसेवा भारतीय संस्कृति का हिस्सा है। गौरतलब है कि जाधव जब रोहतक रेंज के पुलिस महानिरीक्षक थे, तब उन्होंने सड़कों पर घूम रही बेसहारा गायों को गोशाला भेजने के लिए अभियान चलाया था। मिशन स्ट्रे कैटल के तहत इन गायों को पुलिस की ओर से गोशालाओं में भेजा गया था।

गठवाला, हुड्डा, दहिया और महम चौबीसी खापों ने मिलकर कलानौर पर किया था हमला

खाप पंचायतों ने एकजुट होकर कलानौर नवाब की कौला पूजने की रस्म को खत्म करवाया

- खापों ने जहां डेरा डाला, वहां टिकने के बाद मुराद हुई थी पुरी, बाद में उस जगह बस गया मुरादपुर टेकना गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

इतिहास के झरोखे से

खाप पंचायतें न्याय का प्रतीक हैं। छोटे-बड़े विवादों को सुलझाने का काम करती हैं। सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ अभियान चलाकर उनको खत्म करवाती हैं। भाईचारा व आपसी मेल जोल बढ़ाने में इनका विशेष योगदान रहा है। यही नहीं भारत देश को अंग्रेजी शासन से आजाद करवाने में भी खाप पंचायतों की विशेष भूमिका रही है।

ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब खापों ने मिलकर अंग्रेजों के खिलाफ न केवल आवाज बुलंद की, बल्कि उनके खिलाफ हथियार उठाए। खाप पंचायतों ने हमेशा ही अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। अंग्रेजी शासनकाल की ही एक ऐसी घटना है जब खापों ने मिलकर कलानौर के नवाब के खिलाफ युद्ध करना पड़ा था। खापों ने कलानौर पर चढ़ाई की थी और नवाब द्वारा शुरू की गई कौला पूजने की परंपरा को समाप्त करवाया था। बुजुर्ग बताते हैं कि इस रस्म के बहाने नवाब नवविवाहित महिलाओं की इज्जत लूटता था। लोगों में कौला पूजने की रस्म के खिलाफ काफी गुस्सा था। लेकिन लोग मजबूर थे, क्योंकि वह अंग्रेजों का पिट्ठू था। उनका संरक्षण प्राप्त होने और उसके पास मौजूद सैनिक शक्ति के कारण व चुप थे व इस अपमान को सहन कर रहे थे। लेकिन लोगों के मन में विद्रोह की आग सुलग रही थी। इस आग को भड़काने का मौका उस समय मिला जब वर्तमान सोनीपत जिले के एक गांव की लड़की जो डीघल ब्याही हुई थी। वह अपनी ससुराल जा रही थी। लड़की ने देखा कि काहनौर मोड़ से उसकी बहल को कलानौर की ओर मोड़ दिया गया है। वह बहल (बैलगाड़ी) से उतरकर और ससुराल वालों को धोखा देकर वापस अपने मायके आ गई। उसके पिता को यह सूचना मिली कि उसकी बेटी ससुराल से भाग आई है। वह आग बबुला हो गया और उसको मारने के लिए दौड़ा। लेकिन बेटी ने जब वापस आने का कारण बताया तो उसे समझ आया कि बेटी सही है। नवविवाहित बेटी ने बताया कि कलानौर के नवाब के पास इज्जत लुटवाने से अच्छा तो वह अपनी जान देना उचित समझती है। उसके बाद लोगों की सोई हुई चेतना जाग गई। गठवाला खाप की पंचायत बुलाई गई। जिसमें बरौदा बुटाना व आस पास के गांव भी शामिल हुए। हुड्डा और दहिया खाप के लोगों ने भी इस महापंचायत में हिस्सा लिया। पंचायत में यह निर्णय गया कि कलानौर के नवाब की इस लानत को समाप्त किया जाएगा। चर्चा हुई कि इस अभियान में महम चौबीसी खाप का भी सहयोग नितांत आवश्यक है। चौबीसी कलानौर के साथ लगता क्षेत्र है। उसके महम में चौबीसी चबूतरे पर खापें एकजुट हुई। उसके बाद कलानौर को तोड़ने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सभी मिलकर कलानौर की ओर बढ़े। मोखरा गांव के पास जाकर खापों ने डेरा डाल दिया। शाम के वक्त चढ़ाई होनी थी। लेकिन वहां पर एक महिला ने सुझाव दिया कि शाम के समय चढ़ाई न की जाए, क्योंकि उनकी हार हो जाएगी। चढ़ाई सुबह के समय की जाए। इसलिए एक रात के लिए खापें वहां पर टिक गई और मुराद पुरी होने की कामना की गई। जहां पर खापें टिकी थी, वहां पर बाद में एक नया गांव बसाया गया, जिसका नाम मुरादपुर टेकना है। नवाब की तोपों के सामने दो दिन तक खापों की पेश नहीं चली। लोग परेशान हो गए। तीसरे दिन चौबीसी का चौधरी दलेराम अपनी घोड़ी को पानी पिला रहा था। वहां पास के खेत में एक महिला गेहूं की बालियां उठा रही थी। कहा कि कलानौर किसी बड़े आदमी की बली चाहती है। इसके बिना सफलता नहीं मिल सकती। चौधरी को बात समझते देर नहीं लगी। वहीं से वह सीधा कलानौर की ओर बढ़ गया। उसने नवाब के पहरेदारों पर आक्रमण कर दिया। अकेला होने की वजह से वहीं पर ढेर हो गया। खाली घोड़ी डेरे की ओर दौड़ पड़ी। उसे देखते ही सभी का खून खौलने लगा। सभी एक दूसरे से आगे कलानौर की ओर दौड़ने लगे। किसी को भी तोपों व मौत की परवाह नहीं थी। तीन घंटे में ही कलानौर को जीत लिया गया। उस दिन से कौला पूजने की रस्म खत्म हो गई। यह रस्म फिर से लागू न हो सके। इसको सुनिश्चित करवाने के लिए वीर व्यक्तियों को चुना गया और वे नए गांव गढ़ टेकना में बसाए गए। बाद में गढ़ टेकना को मुराद पुरी होने की वजह से मुरादपुर टेकना कहा जाने लगा। लड़ाई में बहुत से लोग मारे गए। लड़ाई में मरने वाले ज्यादातर लोग महम चौबीसी इलाके के थे। उसके बाद महम चौबीसी क्षेत्र के लोगों का सम्मान बढ़ा। अंग्रेजी सरकार ने इस बात को समझ लिया था कि चौबीसी के जवान गुरिला युद्ध में काफी माहिर हैं। वह उन्हें सरहदी पठानों का मुकाबला करने के लिए सेना में भर्ती करना चाहती थी। उस समय घुड़सवार को 25 रुपए मिलते थे, जबकि महम चौबीसी क्षेत्र के जवानों को वे 30 रुपए तक देने को तैयार थे। चौबीसी खाप क्षेत्र के लोगों में अंग्रेजों के प्रति नफरत थी। उन्होंने सेना में भर्ती होना स्वीकार नहीं किया। अंग्रेजों का चौबीसी की अलग बटालियन बनाने का सपना भी पूरा नहीं हो सका।

रंगीन मिजाज का था नवाब कलानौर

बताते हैं कि नवाब कलानौर 12 गांवों का जागीरदार था। वह रंगीन मिजाज इंसान था। उसने अपनी अय्याशी का एक तरीका निकाल रखा था। जिसको कौला पूजने की रस्म कहा जाता था। नवविवाहित महिला को कौला पूजने की रस्म के बहाने कलानौर नवाब के महल में ले जाया जाता था। महिला पहली रात नवाब के महल में बिताती थी। कौला पूजने की रस्म कलानौर नवाब के अधीन लगने वाले 12 गांवों के अलावा उन पर भी लागू होती थी, जो बारात उसकी जागीर में से गुजरती थी।

सत्यवान अखाड़े की मुस्कान ने जीता स्वर्ण पदक

- नोएडा में हुई थी लड़कियों की नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

20 आयुवर्ग की लड़कियों की नेशनल कुश्ती प्रतियोगिता में सत्यवान अखाड़े की मुस्कान ने स्वर्ण पदक जीता। इन्होंने ये उपलब्धि 50 किलोग्राम भारवर्ग में हासिल की। रविवार को विजेता अखाड़ा पहुंची। जहां पहलवानों ने इनका स्वागत करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस मौके पर अखाड़ा संचालक गुरु अर्जुन अवार्ड सत्यवान पहलवान, साक्षी मलिक ओलम्पिक मेडलिस्ट, सत्यव्रत अर्जुन अवार्डी राजबीर पहलवान हिंद केसरी, कोच संदी और रवि के अलावा काला पहलवान, टिटौली, सोनू, विनोद,सिजल मायना, धर्मवीर, सुनील, प्रमोद पहलवान,जस्सू सिंगला, राजबीर मोखरा समेत गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

रोहतक। स्वर्ण पदक विजेता पहलवान मुस्कान का स्वागत करते हुए अर्जुन अवार्ड सत्यवान पहलवान, साक्षी मलिक ओलम्पिक मेडलिस्ट, सत्यव्रत अर्जुन अवार्डी ,राजबीर पहलवान हिंद केसरी व अन्य पहलवान।

प्रजापति संसद का आयोजन 14 जुलाई को

- संसद के आयोजन को लेकर प्रजापति समाज ने की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

प्रजापति समाज के सामाजिक उत्थान, नव निर्माण एवं संगठित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रजापति संसद का आयोजन करने के लिए मीटिंग हुई।

आयोजन का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में समाज के बुद्धिजीवी लोगों को एक मंच उपलब्ध करवाना है, जहां लोग समाज के नव-निर्माण के लिए अपने विचार रख सकें, जिसमें ब्लॉक, हल्का, जिला, प्रदेश, राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर के कला, संस्कृति, सामाजिक व राजनैतिक नेताओं को इस आयोजन मे आमंत्रित किया जायेगा। संदीप प्रजापति ने बताया कि इस संसद का आयोजन 14 जुलाई को पीजीआईएमएस स्थित ऑडिटोरियम में किया जायेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर कृष्ण प्रजापति चेयरमैन दक्ष प्रजापति मानव-निर्माण संस्थान, संदीप प्रजापति सचिव दक्ष प्रजापति मानव निर्माण संस्थान, नरेश प्रजापति गोहाना प्रदेश अध्यक्ष भारतीय प्रजापति हिरोज ऑर्गनाइजेशन हरियाणा, सुनील प्रजापति गोहाना, सचिव प्रजापति प्रोफेशनल ट्रस्ट, नरेश प्रजापति, हृदयाल प्रजापति, विजय प्रजापति, नरेश प्रजापति कन्हेली, प्रवीण प्रजापति, जितेंद्र दक्ष प्रदेश प्रवक्ता बीपीएचओ, कपिल प्रजापति, राजेश राजस्थानी, मौनी प्रजापति आदि उपस्थित रहे।

पंकज चावला सचिव और अशोक तनेजा बने अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रक्तदान मोटीवेटर पंकज चावला एक बार फिर से भारत विकास परिषद् मानसरोवर शाखा के सचिव नियुक्त किए गए हैं।

इसके अलावा अशोक तनेजा अध्यक्ष एवं इंदरजीत भयाना कोषाध्यक्ष निर्विरोध चुने गए। रविवार को भारत विकास परिषद् मानसरोवर शाखा का वरिष्ठ अधिकारी विजय गुप्ता के नेतृत्व में चुनाव संपन्न हुआ, जिसमे सर्वसम्मति से पुराने पदाधिकारियों को ही दोबारा वर्ष 24-25 के लिए चुना गया। शाखा अध्यक्ष अशोक तनेजा ने सभी सदस्यों का आभार जताया और विश्वास दिलाया कि शाखा ने गत वर्ष भी अनेक समाजसेवा के कार्यक्रम किए हैं और इस साल भी ऐसे ही कार्य किए जाएंगे।

गोष्ठी में साहित्यिक गतिविधियों पर चर्चा

रोहतक। कीर्ति चक्र विजेता शहीद कैप्टन दीपक शर्मा मैमोरियल पार्क स्थित सार्वजनिक पुस्तकालय में प्रज्ञा साहित्य मंच के तत्वावधान साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में नगर के साहित्यकारों ने भाग लिया। गोष्ठी की अध्यक्षता साहित्यकार आशा खत्री लता ने की। इस दौरान रोहतक एवं प्रदेश में चल रही साहित्यिक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. मधुकांत ने बताया कि यदि कोई ऐसा साहित्यकार हमारे बीच है जो धनाभाव के कारण पुस्तक प्रकाशित नहीं करवा पा रहा तो वे आर्थिक सहायता और मार्गदर्शन करने के लिए तैयार हैं। गोष्ठी में वीरेंद्र फोगाट, जागृति, पवन गहलोत, आशा खत्री लता, डॉ. रमाकांता, रामधारी खटकड़, राजेन्द्र कुमार अवस्थी, डॉ. चन्द्रदत्त शर्मा, विकास बुद्धवार, विपिन गुप्ता, डॉ. मधुकांत, बृज बाला गुप्ता, प्रो. शाम लाल कौशल, आशा विजय विभोर ने सामयिक मुद्दों व अन्य विषयों पर श्रेष्ठ रचनाओं का पाठ किया। कविता पाठ के बाद आशा खत्री लता ने रचनाओं की समीक्षा की।

शिविर में 86 यूनिट रक्त हुआ एकत्रित

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट सांघी द्वारा गांव सांघी में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के संस्थापक तस्वीर सिंह हुड्डा ने बताया कि शिविर में 86 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। संस्था की तरफ से सभी रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।इसके साथ ही ट्रस्ट संस्थापक तस्वीर सिंह हुड्डा ने बताया कि रक्तदान के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य के लिए शहीदी दिवस 23 मार्च पर कांगड़ा हिमाचल प्रदेश में संस्था को राष्ट्रीय रक्तदान सेवा सम्मान मिला है। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल को पावर हाउस तिकोना पार्क पर रक्तदान शिविर लगाया जाएगा। शिविर में दिव्यांग संजू विराट ने 17वीं, दिव्यांग अनूप ने 18वीं, दिव्यांग कृष्ण ने 13वीं बार , दिव्यांग ओमबीर ने 15वीं, दिव्यांग संजय ने 9वींर, गीता ने तीसरी, मंजू ने पांचवीं, कृष्णा ने 7वीं, सुरेंद्र ने 20वीं, सोनू ने 23वीं, फौजी ने 25वीं, दिनेश ने 17वीं और अमन ने 15वीं बार रक्तदान किया। हरियाणा राज्य परिवहन के रोहतक डिपो के प्रधान दीपक हुड्डा ने कहा कि रक्तदान महादान है। इस अवसर पर शीलादेवी, मीनू, अन्नू, साहिल, हर्ष, शक्ति, सुभम, प्रदीप टिंकू, रवि शास्त्री, प्रियांशु, रोबिन, अनिल आदि मौजूद रहे।

कैंसर निदान में मील का पत्थर साबित होगी इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कैंसर निदान और उपचार को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए पीजीआईएमएस रोहतक के पैथोलॉजी विभाग ने रविवार को इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। पैथोलॉजी विभाग की डॉक्टर सुनीता सिंह ने बताया कि राज्य में अपनी तरह की पहली कार्यशाला का उद्देश्य लोगों को तकनीक और विभिन्न कैंसर के निदान में भूमिका का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना था। डॉ. सुनीता ने बताया कि राज्य और पड़ोसी क्षेत्रों के मेडिकल कॉलेजों के स्नातकोत्तरों सहित 50 से अधिक प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में भाग लिया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला का आयोजन डीएचआर-आईसीएमआर एडवांस मेडिकल ऑन्कोलॉजी डायग्नोस्टिक सर्विसेज के तत्वावधान में किया गया था। डॉ. मोनिका ने बताया कि प्रतिभागियों को क्षेत्र के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों द्वारा संचालित व्यावहारिक प्रशिक्षण सत्रों, समृद्ध व्याख्यानों और व्यावहारिक चर्चाओं में शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि कार्यशाला को पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अनीता सक्सेना से शुभकामनाएं मिलीं। कार्यशाला के दौरान कुलचिव डॉ. एचके अग्रवाल, पीजीआईएमएस के निदेशक डॉ. एसएस लोहचब, डीन एकेडमिक अफेयर डॉक्टर ध्रुव चौधरी और पैथोलॉजी के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. राजीव सेन मौजूद रहे। कुलपति डॉ. अनीता सक्सेना ने संदेश में ऐसी पहल करने और रोहतक को प्रतिष्ठित परियोजना दिलाने के लिए डॉ. सुनीता सिंह और डॉ. मोनिका गुप्ता की सराहना की।

कौशल सीखा

डॉ. सुनीता सिंह ने बताया कि इम्यूनोहिस्टोकेमिस्ट्री ऊतक के नमूनों में विशिष्ट प्रोटीन की पहचान करके, ट्यूमर के वर्गीकरण और उप प्रकार में सहायता करके और व्यक्तिगत उपचार रणनीतियों का मार्गदर्शन करके कैंसर के निदान में भूमिका निभाती है। कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को नैदानिक अभ्यास में इस तकनीक का प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान से लैस करना था।

पीजीआईएमएस में पैथोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. सुनीता सिंह ने चिकित्सा विज्ञान को आगे बढ़ाने और रोगी देखभाल में सुधार के लिए सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

प्रदेश की सभी मंडियों में किया जाएगा धरना-प्रदर्शन

आज से 5 अप्रैल तक मंडियों में विरोध जताएंगे आढ़ती

- कांफैड के पूर्व चेयरमैन ने मंडी में आढ़तियों को किया संबोधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कांफैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग।

हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कांफैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने कहा कि सरसों की खरीद आढ़तियों के माध्यम से ना करने के विरोध में व्यापारी सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेगा व 1 से 5 अप्रैल तक हरियाणा की प्रत्येक मंडियों में अलग-अलग धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। गर्ग रविवार को अनाज मंडी के आढ़तियों, किसान व मजदूरों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण व्यापारी व किसान बर्बादी की कगार पर है। किसान अपनी सरसों को बेचने के लिए मंडियों में धक्के खा रहा है। सरसों की एमएसपी 5650 रुपए प्रति क्विंटल हैं, सरसों की सरकारी खरीद ना होने के कारण किसानों को अपनी सरसों औने-पौने दामों में बेचनी पड़ रही है। जबकि पिछली सरकार में किसान अपनी फसल मंडी में लेकर आता था और ऑफलाइन अपनी फसल मंडी में बेच कर नगद पैसे लेकर घर चला जाता था। यह सरकार अनाज खरीद करने की बजाएं किसान व आढ़तियों के साथ पोर्टल-पोर्टल खेल रही है।

सरसों की खरीद आढ़तियों के माध्यम से की जाए

बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार द्वारा सरसों की खरीद मंडी के आढ़तियों के माध्यम से ना करने के निर्णय से आढ़ती व किसानों में बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को किसानों की हर फसल पहले की तरह मंडी के आढ़तियों के माध्यम से खरीद करनी चाहिए। सरकार को सरसों, नरमा के साथ-साथ हर अनाज खरीद पर आढ़तियों को 2.5 प्रतिशत पूरी दामी देनी चाहिए। पहले भी गेहूं पर 9 रुपए 99 पैसे व धान पर 9 रुपए 19 पैसे आढ़तियों को आढ़त कम दी है। जो सरासर नाजायज है। जबकि आज की महंगाई को देखते हुए आढ़तियों का कमीशन सरकार को काटने की बजाएं बढ़ाना चाहिए। अगर सरकार मंडी के आढ़तियों के माध्यम से अनाज की खरीद नहीं करेगी तो आढ़ती मंडी में दुकान करके क्या करेगा। सरकार 5-6 बड़े घरानों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी मंडियां बंद करना चाहती है। ताकि अनाज, सब्जी व फलों के व्यापार पर बड़े घरानों का कब्जा हो जाए।

प्राइवेट मंडी बना रही सरकार

कांफैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने कहा कि सरकार सरकारी मंडियां बंद करने के उद्देश्य से प्राइवेट मंडी बनाने का कानून ले कर आई है। इसके लिए पहले सरकार देश में तीन कृषि कानून लागू करना चाहती थी।

इसका बड़ा भारी विरोध देश व प्रदेश के किसान, आढ़ती व मजदूरों ने किया था। अनाज के व्यापार में लगभग 40 हजार आढ़ती, लाखों मजदूर, ट्रांसपोर्टर व मुनीम काम करते हैं अगर मंडियों में काम नहीं होगा तो लाखों लोग बेरोजगार हो जाएंगे। सरकार एक तरफ तो व्यापार व उद्योगों को बढ़ावा देने की बात कर रही है दूसरी तरफ मंडी के आढ़तियों को बर्बाद करने पर तुली हुई है, जिससे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
COMPUTER OPERATOR (F) 4
COMPUTER OPERATOR (M) 4
ACCOUNTANT 1
RECEPTIONIST 2
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

JOIN CRASH/1YEAR COURSE
CUET
SCIENCE I HUMANITIES I COMMERCE I APTITUDE
IPM (5 Years MBA)
IIM Rohtak, Indore, Jammu, Ranchi, Bodhgaya
T.I.M.E. Triumphant Institute of Management Education Pvt. Ltd.
D-Park, Delhi Road Rohtak 9215598698

खबर संक्षेप

रोहतक। गोल्ड मेडलिस्ट उज्ज्वल का स्वागत करते हुए राहुल सहरावत

गोल्ड मेडलिस्ट उज्ज्वल का किया स्वागत

रोहतक। नोएडा में पिछले दिनों नेशनल फेंसिंग चैंपियनशिप में भैंसरू खुर्द के उज्ज्वल ने गोल्ड मेडल जीत कर गांव व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि पर ग्रामीण खुश हैं। विजेता का रविवार को स्वागत किया गया। कार्यक्रम में राहुल सहरावत ने उज्ज्वल को 51 हजार रुपए की माला पहन कर उसका स्वागत किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक महम में आज

महम। कस्बा महम के स्वतंत्रता सेनानी श्री बद्री प्रसाद काला कम्युनिटी सेंटर में 1 अप्रैल को सुबह 10 बजे भाजपा कार्यकर्ताओं की हलका स्तरीय बैठक आयोजित की जाएगी।

हथकड़ी बेड से नहीं बांधी, सुबह 3 बजे पुलिस वालों को आई नींद

घोर लापरवाही: पीजीआई से कैदी फरार, तबीयत खराब होने पर लाया गया था

- हत्या के मामले में झज्जर जिले की दुलीना जेल में बंद था
- एक इंचार्ज और तीन पुलिस कर्मचारियों के बीच से भागा
- पूरा दिन सर्च अभियान चलाया, कहीं पता नहीं लगा

की जा रही जांच

पीजीआई से कैदी के फरार होने की सूचना मिलते ही तलाशी शुरू कर दी गई थी। झज्जर जिले की दुलीना जेल से कैदी को इलाज के लिए लाया गया था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

- अशोक कुमार, थाना प्रभारी, पीजीआई, रोहतक

हत्या का आरोपी अरविंद पुलिस को

जब भी किसी कैदी को इलाज के लिए पीजीआई लाया जाता है तो उसकी हथकड़ी को बैड से बांधकर रखा जाता है। अरविंद के साथ आए हुए पुलिस कर्मचारियों ने ऐसा नहीं किया और उसकी हथकड़ी को बैड से नहीं बांधा गया, अब इसी का फायदा उठाकर हत्या का आरोपी अरविंद पुलिस को चकमा देकर हथकड़ी सहित फरार हो गया।

नाके भी लगाए, चेकिंग की

पुलिस ने बिना कोई देर किए रोहतक में मुख्य चौराहों और रोहतक से बाहर जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर दी। वाहनों की तलाशी भी ली गई, लेकिन अरविंद का कहीं पता नहीं लग पाया। रोहतक ओर झज्जर पुलिस पूरा दिल संयुक्त सर्च अभियान चलाते हुए अरविंद की तलाश करती रही, लेकिन वह हाथ नहीं आया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पीजीआई में इलाज के लिए लाया गया हत्यारोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया है। फरार हुआ 2017 में हुई हत्या के मामले में दुलीना जेल में बंद था। तबीयत खराब होने पर उसे पीजीआई लाया गया था। अल सुबह जब पुलिस कर्मचारियों की आंखें लगी तो वह हथकड़ी सहित फरार हो गया। लापरवाही यह रही कि उसकी हथकड़ी बैड से नहीं बंधी थी। आरोपी के फरार होते ही पुलिस कर्मचारियों के हाथ पैर फूल गए। आनन-फानन में पीजीआई पुलिस को सूचना दी गई और नाकाबंदी भी की गई, लेकिन समाचार लिखे जाने तक आरोपी का कहीं अता-पता नहीं था। पुलिस उसके घर और दोस्तों के पास भी दबिश दे रही है। वहीं मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मचारियों पर गाज गिर सकती है। फिलहाल पुलिस फरार हुए कैदी की तलाश में जुटी हुई है।

दरअसल झज्जर के देव नगर के रहने वाले अरविंद पर 2017 में हत्या का केस दर्ज हुआ था। इस मामले में वह झज्जर जिले की दुलीना की जेल में बंद था। जेल में एसकी तबीयत खराब होने के कारण उसे पीजीआई में इलाज के लिए लाया गया था। उसके साथ एक इंचार्ज सहित तीन पुलिस कर्मचारी भी आए हुए थे। बंदी अरविंद को पीजीआई के कैदियों के लिए बनाए गए कमरे में रख गया था और वहीं उसका इलाज करवाया जा रहा था। जिस कमरे में अरविंद को रखा गया था उसी कमरे में सभी पुलिस कर्मचारी उसका पहरा भी दे रहे थे। रविवार अल सुबह करीब 3-4 बजे के बीच जब पुलिस कर्मचारियों को नींद आई तो अरविंद ने इसे भांप लिया। अरविंद पहले से ही भागने की ताक में था और पुलिस कर्मचारियों की आंख लगते ही वह चुपचाप कमरे से खिसक गया।

आंख खुली तो बैड खाली

जब पुलिस कर्मचारियों की आंखें खुली तो देखा कि जिस बैड पर अरविंद था वह खाली पड़ा है। यह देखते ही पुलिस कर्मचारियों के पैरों तले की जमीन खिसक गई। सभी पुलिस कर्मचारियों ने पीजीआई में उसकी तलाया की, लेकिन अरविंद नहीं मिला। कैदी के फरार होने की सूचना पीजीआई को पुलिस को दी गई।

आईबी में पारितोषक वितरण समारोह आयोजित

रोहतक। आईबी स्मार्ट स्टार्ट ने आईबी स्कूल कैंपस में रविवार को वार्षिक पारितोषक वितरण समारोह मनाया, जिसमें कक्षा नर्सरी से दूसरी कक्षा का वार्षिक परिणाम घोषित किया गया। इस दौरान बच्चों व अभिभावकों ने आईबी स्कूल के कैंपस में बच्चों को दी जा रही इंटरनेशनल लेवल की सुविधाओं का दौरा किया। छोटे बच्चों ने मैजिक शो, डीजे डांस व बाउंसी का लुफ्त उठाया। स्कूल चेयरमैन अमरजीत सिंह ढुल ने छोटे बच्चों को प्रोत्साहित किया व अभिभावकों को बधाई दी।

राजीव नगर में कराया ओपन टैलेंट हंट प्रोग्राम

रोहतक। केवीएम स्कूल की तरफ ने राजीव नगर रोहतक में ओपन टैलेंट हंट प्रोग्राम कराया गया। इसमें कक्षा नर्सरी से तीसरी कक्षा तक के बच्चों ने कैलीग्राफी और ड्राइंग और कक्षा चौथी से छठी तक पोस्टर मेकिंग सातवीं से दसवीं तक मेहंदी व फोटो फ्रेम में भाग लिया। ड्राइंग कंपटीशन में चंदन अंश और वैभव, पोस्टर मेकिंग में मयंक और वैभव, मेहंदी में रोशनी, वंशिका और फोटो फ्रेम में हिमांशु आदि बच्चों के अच्छे प्रदर्शन पर स्कूल प्रधानाचार्या डॉ. मीना कौशिक ने इनाम देकर सम्मानित किया। प्रधानाचार्या जी ने बच्चों को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

लोकतंत्र बचाओ रैली में रोहतक से पहुंचे मजदूर

रोहतक। रामलीला मैदान में लोकतंत्र बचाओ रैली में भाग लेने के लिए रोहतक से नागरिक पहुंचे। रैली के भागीदार बैंसी, लाहली, लाखन माजरा, बोहर, बालियाना, रिठाल, नौणंड आदि अनेक गांव से लोग गए। सभी लोग शहर के सुनारिया चौक, वसंत विहार, जसवीर कॉलोनी, ताऊ नगर, तिलक नगर आदि से रैली में पहुंचे। रैली को राहुल गांधी, फारूक अब्दुल्ला सीताराम येचुरी, दीपांकर भट्टाचार्य, हरभजन मान, तेजस्वी यादव डेरेक ओबराय आदि अनेक नेताओं ने सम्बोधित किया।

राजकीय उच्च विद्यालय खरकड़ा के गणित अध्यापक सेवानिवृत्त

- सहकर्मियों ने पवन गोयल को उपहार भेंट किए

महम। सेवानिवृति के मौके पर गणित अध्यापक पवन गोयल को उपहार भेंट करते शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

राजकीय उच्च माध्यमिक खरकड़ा के गणित अध्यापक पवन गोयल 31 मार्च को 35 साल की सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनकी सेवानिवृति के मौके पर विद्यालय में विदाई समारोह आयोजित किया गया। सभी स्टाफ सदस्यों ने उनके सेवाकाल के दौरान अपने अनुभवों को सांझा किया और उनके व्यवहार और बच्चों को पढ़ाने के तौर तरीके की सराहना की। सहकर्मियों ने पवन गोयल को उपहार भेंट किए।

ये रहे मौजूद : इस मौके पर पूर्व प्राचार्य कर्मवीर सिंह, राजेश, प्रदीप, अनिल, राधेश्याम, अशोक, धर्मीवर, कविता, प्रोमिला, अंजलि, सरिता व अंजू समेत कई शिक्षक मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

ग्रेजुएशन समारोह में बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से बांधा समां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड़ स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट स्कूल ने सुपवा में अपनी तीनों विंग का ग्रेजुएशन समारोह बड़ी धूमधाम से संपन्न किया। जिसमें जॉन वेस्ले कॉन्वेंट मेन ब्रांच, शाइनिंग स्टार, गैलेक्सी विंग के कक्षा नर्सरी से चौथी तक के बच्चों व अभिभावकों ने शिरकत की। प्राचार्या डॉ. ममता मलिक, डारेक्टर सुरेंद्र मलिक, उपप्राचार्या मशेंका व इंचार्ज अमन ग्रोवर आदि ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

बच्चों ने वेलकम सोंग, क्लैप योर हैंड्स, दादाजी की छड़ी पार्टी सॉन्ग, हारी बाजी को जीतना, ग्रेजुएशन सेरेमनी सॉन्ग थैंक यू आदि गानों पर अपनी प्रस्तुती दी। कक्षा 1 से 4 के विद्यार्थियों ने अलबेला नाम की एक स्क्रिप्ट पर अपनी प्रस्तुति दी, जिसमें विद्यार्थियों ने एक संदेश दिया कि सबके लिए चाहे बच्चे हों या बुजुर्ग मोबाइल के फायदे तो मालूम हैं लेकिन उसके सदुपयोग के लिए हमें दोबारा विचार करने की आवश्यकता है ताकि हमारे जीवन पर इसका दुष्प्रभाव ना पढ़ सके। स्क्रिप्ट को आनंद में बनाने के लिए विभिन्न गानों को जोड़ा गया नन्हे-मुन्ने बच्चों ने जीवन के अनमोल रिश्तों को संजोए रखने व पर्यावरण संरक्षण, वृक्ष कटाव रोकने, पशुओं रक्षा के प्रति अपने कर्तव्य निभाने आदि जागरूक संदेश दिये। प्रधानाचार्या ने विद्यार्थियों को स्कूल के नाम को

डॉ. अनिल मेहरा की माता का निधन

रोहतक। हरियाणा दलित पिछड़ा कल्याण एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. अनिल मेहरा की माता ब्रह्मी देवी धर्मपत्नी स्वर्गीय जिले सिंह मेहरा का लंबी बीमारी के कारण रविवार को एक निजी अस्पताल में निधन हो गया।

उनकी उम्र करीब 80 साल थी। ब्रह्मी देवी शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त थी। उनका अंतिम संस्कार शाम करीब चार बजे शीला बाईपास स्थित श्मशान घाट में किया गया। उनकी अंतिम यात्रा में शहर के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। इस मौके पर शहर के गणमान्य लोगों ने सेक्टर एक स्थित डॉ. मेहरा के घर पहुंचकर श्रद्धांजलि दी। डॉ. मेहरा ने बताया कि उनकी माता सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेती थीं।

गायत्री परिवार के सदस्यों ने यज्ञशाला में करवाया हवन

- भागवत गीता में, सभी पुराणों में और वेद में कहा गया है कि यज्ञ ही श्रेष्ठ कर्म है
- निरंतर यज्ञ क्रिया से वातावरण होता है शुद्ध : वशिष्ठ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गायत्री परिवार के सदस्यों ने जय मां गायत्री यज्ञशाला में यज्ञ किया। हवन शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वाधान किया गया। पंडित हरिओम वशिष्ठ ने बताया कि मनोज प्रभाकर, संदीप कुमार पत्नी सहित यजमान के रूप में सम्मिलित हुए। पंडित वशिष्ठ ने कहा कि निरंतर यज्ञ क्रिया से वातावरण शुद्ध होता है। जोगीराम भारद्वाज प्रधान भगवान परशुराम सेवा संघ, बीएस कौशिक, जय भगवान पाराशर, अनिल कुमार, दीपशिखा, डॉक्टर सुरेंद्र, सतीश सुनेजा, रमेश, ताराचंद, पंडित भगवानदास, सतबीर पाराशर व अन्य भक्तों ने यज्ञ की महिमा को जाना। यज्ञ ही श्रेष्ठ कर्म है, ऐसा भागवत गीता में, सभी पुराणों में और वेद में भी कहा गया है। हवन की प्रक्रिया को गुरु ने सरल भाषा में बताकर सभी का कल्याण किया है। प्रधान ने कहा कि बच्चों में और युवाओं में हवन के प्रति जागृति अति आवश्यक है।

सूरजमल स्मारक शिक्षण संस्था ने प्रधानमंत्री का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक.

- चौधरी साहब एक महान राजनेता थे जो जीवन भर गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे

सूरजमल स्मारक शिक्षण संस्था की कार्यकारिणी की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। इसमें पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित करने के लिए राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू , प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं भारत सरकार को धन्यवाद दिया गया । चौधरी साहब एक महान राजनेता थे जो जीवन भर गांव, गरीब और किसान के उत्थान के लिए संघर्ष करते रहे। उनके द्वारा किए गए भूमि सुधार भारत के लिए नजीर बन गए।

वह एक ईमानदार, बहुमुखी प्रतिभा के धनी और दूर दृष्टिवान राजनेता थे। वह कृषि और अर्थशास्त्र के श्रेष्ठ विद्वान भी थे तथा इस बारे में लिखी गई उनकी पुस्तक देश और विदेश के विश्वविद्यालयों में संदर्भ ग्रंथ के रूप में उपयोग की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि 12 दिसंबर 1978 में सूरजमल स्मारक शिक्षण संस्थान के भवन के शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता चौधरी चरण सिंह ने की थी। कार्यकारिणी की बैठक में रोहतक से अरविंद पाल दहिया उपस्थित रहे।

एमडीयू में आज शुरू होगा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विवि में 1-2 अप्रैल को आयोजित किए जाने वाले अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के सुचारू संचालन तथा सफल आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए रविवार को कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में संकाय अधिष्ठाताओं तथा विभागाध्यक्षों की बैठक आयोजित की गई। एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि यह अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन विश्वविद्यालय की विकास यात्रा में महत्त्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस सम्मेलन से विश्वविद्यालय की वैश्विक पहचान बनाने में मदद मिलेगी। गौरतलब है कि फास्टरिंग ग्लोबल कोलाबोरेशन इन हायर एजुकेशन पर इस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में यूएसए, यूके, कनाडा आदि से प्रतिष्ठित शिक्षाविद, वैज्ञानिक, चिकित्सक, बिजनैस लीडर आदि भाग ले रहे हैं। डीन सीआईएए प्रो. ऋषि चौधरी ने बताया कि प्रतिष्ठित शिक्षाविद बालिंदर सिंह (यूएसए), प्रो. पवन बुधवार (यूके), प्रो. ओपी धनखड़ (यूएसए), डॉ. सुमन ग्रेवाल (यूएसए), डॉ. जोगेन्द्र सिंह (यूएसए), हरिन्द्र पनेसर (यूएसए),डॉ. लक्ष्मी (यूके), डॉ.मंजीत कौर(यूएसए), डॉ. किरण गुलिया(यूके), डॉ. गजेन्द्र अहलावत (कनाडा) समेत अन्य शिक्षाविद इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लेंगे। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय संगोष्ठी का उद्घाटन सत्र 1 अप्रैल को प्रातः 10 बजे टैगोर सभागार में आयोजित किया जाएगा।

आध्यात्म परमात्मा को प्राप्त करने का सरल रास्ता : बीके संतोष

रोहतक। काहनौर स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज की गीता पाठशाला में परमपिता परमात्मा शिव ध्वज फहरा कर आज के इस युग में आध्यात्म क्यों जरूरी है इस विषय पर संगोष्ठि का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में गीता पाठशाला प्रमुख बीके संतोष बहन व बीके प्रेम बहन ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए बीके संतोष बहन ने कहा कि हमें अपने जीवन में आध्यात्म को अपनाना बहुत जरूरी है। बीके संतोष ने कहा कि आध्यात्म परमात्मा को प्राप्त करने का सरल रास्ता है। मन-वचन-कर्म से पवित्रता के लक्षण दिखने चाहिए, ये तब होगा जब हम स्वच्छ अन्न, स्वच्छ मन और स्वच्छ वस्त्र धारण करें, धारण करने से ही धारणा संभव है। बीके प्रेम बहन ने कहा कि आज मानव आधुनिकता की चमचमाहट में इतना व्यस्त हो गया है कि वह अपने अस्तित्व को भूलता जा रहा है।

कटे तालू के दो, हृदय रोग के 2 और आंखों की 3 सर्जरी मुफ्त कराई

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम बच्चों के लिए वरदान

- मार्च जन्मजात दोष जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत इस मार्च महीने माह को जन्मजात दोष जागरूकता माह के रूप में मनाया जा रहा है। जिसमें स्कूल हैल्थ टीम तथा प्रसूती केन्द्र में कार्यरत स्टाफ द्वारा सभी बच्चों की जन्मजात दोषों के लिए स्वास्थ्य जांच की जा रही है।

इस अभियान के तहत मार्च माह में हृदय रोग के 11, टेढ़े मेढे पैर के 5, कटे होंठ का एक और आखों से संबंधित दोष के 3 बच्चे चिन्हित किए गए। डॉ. अनिल बिरला ने बताया कि कार्यक्रम के तहत कटे तालू के दो, हृदय रोग के 2 और आंखों की 3 सर्जरी मुफ्त कराई गई। उपसिविल सर्जन डॉ. डिम्पल ने बताया कि राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत कटे तालू के दो, हृदय रोग के 2 और आंखों की 3 सर्जरी मुफ्त कराई गई। उन्होंने बताया कि जिले के सभी सरकारी स्कूलों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में 6 माह से 18 साल तक के बच्चों का हैल्थ चैकअप किया जाता है। इसके अलावा प्रसूती केन्द्रों पर भी चिकित्सा अधिकारी व नसिंर्ग ऑफिसर द्वारा नवजात शिशुओं का भी जन्मजात दोषों के लिए चैकअप भी किया जाता है। इस प्रोग्राम के तहत जन्मजात दोष, बीमारियों, पोषण की कमी तथा विकासात्मक देरी व डिसएबिलिटी के बच्चों की स्क्रीनिंग की जाती है। नागरिक अस्पताल के डीईआईसी सेंटर के माध्यम से जन्मजात विकारों का इलाज किया जा रहा है। सिविल सर्जन रोहतक डॉ. अनिल बिरला ने बताया कि जन्मजात विकार एक ऐसी स्थिति है जो जन्म से मौजूद होती है या पर्यावरणीय कारकों के कारण होती है। जन्मजात विकार से ग्रस्त बच्चा जीवन भर विकलांगता या स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव कर सकता है। उन्होंने बताया कि यदि कोई गर्भवती महिला हैं या गर्भधारण की योजना बना रही है तो जन्मजात विकारों के बारे में चिंतित होना स्वाभाविक है। खासकर यदि उनके परिवार में किसी विशेष विकार का इतिहास रहा हो। गर्भावस्था के दौरान सभी विकारों के लिए परीक्षण करना संभव नहीं है। डीईआईसी मैनेजर रेणू काम्योज ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट अर्ली इंटरवेंशन सेंटर में मनोवैज्ञानिक, फिजियोथेरापिस्ट, आपटोमेटरिस्ट, आडियोलाजिस्ट स्पीच थरापिस्ट, और स्पेशल एडुकेटर हैं, जो बच्चों को मुफ्त इलाज मुहैया करा रहे हैं।